8. तितली और कली

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली गली।

कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

© NCERT not to be republished

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी?

  सुबह ☐ दोपहर ☐ शाम ☐

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

दो-दो बार

> ***गली-गली*** *का मतलब है सारी गलियाँ।*
> ***कली-कली*** *का मतलब है सारी कलियाँ।*

अब नीचे लिखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाओ–

घड़ी-घड़ी जगह-जगह

घर-घर डाल-डाल

मिलते-जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढ़ो जो सुनने में ***कली*** जैसे लगते हैं।
  जैसे–कली, भली
- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

बोलो	*तितली*	*डाल*
.....	.....	.....
.....	.....	.....

© NCERT not to be republished

महके सारी गली-गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

  अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे .....

  बुरी लगने वाली महक को कहेंगे .....

- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है–

पसंद है	पसंद नहीं है
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन-कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

  फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।

- तुम्हारे घर में किस-किस तरह की महक आती है?

  (जैसे– साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

© NCERT not to be republished

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगी और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगी? क्यों?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

रंग-बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है। नीचे लिखी चीज़ें किन-किन रंगों की हो सकती हैं?

.....	तितली	.....	सूरजमुखी
.....	बैंगन	.....	लड्डू
.....	पेंसिल	.....	प्याला
.....	कुर्ता	.....	साग
.....	संतरा	.....	मिट्टी

© NCERT not to be republished